नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-I

(मगही साहित्य का इतिहास)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. मगही साहित्य के इतिहास लिखे में कउन-कउन समस्या उठ खड़ा होबऽ हे? ओकर नाम गिनाबित समस्या के निदान भी बताबऽ ।

2. काल-विभाजन आउ नामकरण के सम्बन्ध में मगही आलोचक आउ इतिहासकार एकमत न हथ । अपने के नजर में कउन वर्गीकरण सर्वश्रेष्ठ हे आउ कैसे?

3. मगही साहित्य के पृष्ठाधार के रूप में मगध जनपद के मानल गेल हे। एकरा सम्बन्ध में तू अप्पन विचार प्रकट करऽ ।

4. कबीर दास के "बीजक" में मगही उपलब्ध हे, सप्रमाण सिद्ध करऽ ।

5. तुलसीदास में आयल मगही शब्द पर एगो टिप्पणी लिखऽ ।

6. तृतीय मागधी प्राकृत के विकास पर प्रकाश डालऽ ।

7. स्थापित काल के स्थापित करे में जउन-जउन साहित्य के योगदान रहल हे, ओकरा सोदाहरण बताबऽ ।

8. भक्तिकालीन कवियन के भक्ति मार्ग भले ही अलग-अलग हे बाकि इनखनी के चिन्तन-पद्धति आउ अभिव्यंजन कौशल एक हे, कइसे?

9. "मगही साहित्य में सब विधा के विकास, विकास-काल में ही होल हे"-ई कथन के आलोक में तर्कयुक्त उत्तर लिखऽ ।

10. टिप्पणी लिखऽ :-
    (क) परवर्त्ती काल के प्रेरक परिस्थितियाँ ।
    (ख) संत धरमदास ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2014

M.A. Magahi, Part–I

Date	Paper	Time	Examination Centre
04.07.2014	Paper–I	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
08.07.2014	Paper–II	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
10.07.2014	Paper–III	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
12.07.2014	Paper–IV	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
14.07.2014	Paper–V	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
16.07.2014	Paper–VI	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
18.07.2014	Paper–VII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna
22.07.2014	Paper–VIII	12.00 Noon to 3.00 PM	Nalanda Open University, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-II

(मगही प्रबन्ध काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. 'एकलव्य' महाकाव्य के साथ-साथ एकर कवि घमंडी राम के भी परिचय इऽ ।
2. 'एकलव्य' में वर्णित भक्ति-भावना मगही काव्य में अन्यतम हे, सिद्ध करऽ ।
3. महाकाव्य से तूँ का समझऽ हऽ ? पाश्चात्य आउ भारतीय विचारक के एकरा सम्बन्ध में देलगेल मत प्रतिपादित करऽ ।
4. 'सबासिन' महाकाव्य के काव्य-सौष्ठव पर सारगर्भित लेख लिखऽ ।
5. गीतिकाव्य से तूँ का समझऽ हऽ ? 'सबासिन' महाकाव्य एकरा पर कहाँ तक खरा उतरऽ हे ? सोदाहरण उल्लेख करऽ ।
6. प्रबंधकार राजेन्द्र कुमार यौधेय के परिचय दऽ ।
7. तुलसीदास एगो अनन्य भक्त कवि हलन । 'तुलसीदास' खंडकाव्य के आधार पर ई कथन के सत्यता के जाँच करऽ ।
8. 'लोहामरद' महाकाव्य के राष्ट्रीय-चेतना पर प्रकाश डालऽ ।
9. 'च्यवन' खंड काव्य के युग-बोध पर अप्पन विचार प्रकट करऽ ।
10. 'कुन्ती' के आधार पर कर्ण-कुन्ती के नारी विषयक विचार प्रस्तुत करऽ ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-।, पत्र-।।।

(मगही गीति काव्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. मगध के महागाथा के गुणगान कवि कृष्णदेव प्रसाद पूरजोर ढंग से कयलन हे। "बाँचि ले मोर पतिया" के आधार पर ई कथन के समीक्षा करऽ ।

2. "गीत के जुड़छाँह" में विद्रोही स्वर परवान चढ़ल हे। ई कथन के पुष्टि करऽ।

3. "पनसोखा" में प्रकृति वर्णन के स्वाभाविकता पर प्रकाश डालीं।

4. "मोरहर के पार" काव्य संग्रह के कविता के आधार पर कवि के उद्देश्य पर प्रकाश डालऽ ।

5. "जगरना" के प्रकृति-वर्णन पर एगो बड़हन लेख लिखऽ।

6. ग्रामीण जीवन के अद्‌भुत चितेरा के रूप में राम सिंहासन सिंह विद्यार्थी के उल्लेख करऽ।

7. "दुभ्भी" काव्य संकलन के कविता में सब रस मौजूद हे, सोदाहरण लिखऽ।

8. "मगह के फूल" में मानवता पर एगो बड़हन लेख लिखऽ।

9. कवि श्री सतीश कुमार मिश्र के परिचय दऽ।

10. संदर्भ सहित व्याख्या करऽ :-

(क) शासन न हइ ई दीदी, हइ ई दुःशासन हे,
सरेआम लुटइ नारी, कइसन परशासन हे ।
गँउआ आ टोलवा चिखइ, शहरा चउरहवा हे,
तड़प-तड़प जरइ नारी, गुंजइ देवरलवा हे,

(ख) फूँट संपिनियां मगध रे डांसल
बाढ़ल आलस पाय
बुद्धि हीन जन साधारन
देलन देस बिसराय ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-IV

(नयकी मगही कविता)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. कवि केसरी कुमार के आलोचनात्मक परिचय दऽ ।
2. 'अधरतिया के बँसुरी के काव्य-सौष्ठव पर प्रकाश डालऽ ।
3. 'असगनी' के प्रतीक योजना पर बड़हन लेख लिखऽ ।
4. 'असगनी' काव्य पुस्तक के आधार पर कविता के उद्धेश्य पर प्रकाश डालऽ ।
5. 'अरिया पर थिरकै किसान' कविता के प्रकृति चित्रण पर अप्पन विचार दऽ ।
6. कवि डा० सुरेश विमल के परिचय दऽ ।
7. 'गोरी तोर लाल ठोर' के वियोग-पत्र पर अप्पन विचार व्यक्त करऽ ।
8. 'गोरी तोर लाल ठोर' के गीति-योजना पर एगो बड़हन लेख लिखऽ ।
9. राम नरेश पाठक आउ 'नया इतिहास' कविता पर एगो बड़हन लेख लिखऽ ।
10. 'राहे-राह अन्हेरिया कटतो' कविता के रहस्यवादी भावना पर प्रकाश डालऽ ।

ꣿ ꣿ ꣿ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-V

(मगही उपन्यास साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. मगही के श्रेष्ठ उपन्यास में 'बिसेसरा' अन्यतम हे । ई कथन के सार्थकता सिद्ध करऽ ।
2. 'बिसेसरा' उपन्यास के यथार्थवाद पर एगो बड़हन लेख लिखऽ ।
3. 'बिसेसरा' उपन्यास के नायक बिसेसरा के चरित्र चित्रण करऽ ।
4. 'रमरतिया' उपन्यास के नायक कउन हे ? एकर शील निरूपण करऽ ।
5. 'रमरतिया' के राजनीतिक आउ सामाजिक संदर्भ के मूल्यांकन करऽ ।
6. उपन्यास कला के आधार पर 'अदमी आ देओता' उपन्यास के समीक्षा करऽ ।
7. 'अदमी आ देओता' के नायक राजा रिपुंजय के चरित्र चित्रण करऽ ।
8. 'अदमी आ देओता' के संरचना-शिल्प आउ भाषा-शिल्प पर विचार करऽ ।
9. समाज में व्याप्त अइसन कोई चीज न बचल हे जेकरा पर 'नरक सरग धरती' में चर्चा न करल गेल हे । एकरा पर्याप्त उदाहरण के साथ सिद्ध करऽ ।
10. 'नरक सरग धरती' के प्रमुख पुरुष पात्र सुरूज महतो के चरित्र-चित्रण करऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-VI

(मगही के नाट्य साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. नायक के सम्बन्ध में भारतीय आउ पाश्चात्य साहित्य के मत के उल्लेख करऽ । 'अँचरवा के लाज' नाटक में उ नायकत्व कहाँ तक उपलब्ध होबऽ हे ?
2. ऐतिहासिक नाटक के परम्परा में मगही ऐतिहासिक नाटक 'अँचरवा के लाज' एगो अगली कड़ी के रूप में आयल हे । युक्तियुक्त उत्तर दऽ ।
3. 'अचरवाँ के लाज' नाटक के कथावस्तु में इतिहास के साथ कल्पना के सामंजस्य होल हे । ई कथन के सार्थकता सिद्ध करऽ ।
4. 'अचरवाँ के लाज' नाटक में व्यक्त राष्ट्रीय भावना आउ देश-प्रेम पर अप्पन विचार प्रकट करऽ ।
5. 'अचरवाँ के लाज' नाटक के प्रमुख स्त्री पात्र पदमिनी के चरित्र चित्रण करऽ।
6. जीवन के साथ नाटक के जुडाव पर प्रकाश डालऽ ।
7. 'गन्धारी के सराप' नाटक के सिरीकिसुन के चरित्र पर प्रकाश डालऽ ।
8. नाटक के साथ रंगमच के सम्बन्ध के विवेचन करऽ ।
9. 'शकुन्तला' नाटक के दुष्यन्त के चरित्र पर प्रकाश डालऽ ।
10. 'प्रेम अइसने होवऽ हे' नाटक के आधार पर ग्रामीण समाज में विवाह के सवाल पर प्रकाश डालऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-VII

(मगही कहानी साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. कहानी कला की दृष्टि से 'गमला में गाछ' कहानी के समीक्षा करऽ ।
2. 'टूरा' कहानी के सार के साथ कहानीकार श्री मिथिलेश के भी परिचय दऽ ।
3. 'साली के बरतुहारी' कहानी के कथा नायक के चरित्र-चित्रण करऽ ।
4. 'फैसला' कहानी के उद्धेश्य पर प्रकाश डालऽ ।
5. कहानी के संरचना-शिल्प पर विचार करीत 'पगला' कहानी के समीक्षा करऽ ।
6. 'रोसनी' कहानी के नायक खन्ना साहेब के चरित्र-चित्रण करऽ ।
7. 'छेंकुनी के तीन दाग' कहानी के कथावस्तु लिखऽ ।
8. 'रधिया' कहानी में ग्रामीण वातावरण के चित्र उभर के सामने आयल हे । ई कथन के सार्थकता सिद्ध करऽ ।
9. कहानी कला की दृष्टि से 'सुलह' कहानी के समीक्षा करऽ ।
10. संदर्भ सहित व्याख्या करऽ ।

    (क) अब अगर जैबू जइसन जनता उनकर अपील समझ जाइ तऽ बेचारे कांसिलर साहब के ई अतिरिक्त परेशानी उठावे के का जरूरत हल ।

    (ख) छत्रो हलन सब- एक जनमिया, छाती तान के चले ओला । दोगला न राइफल-बनूक चलाबऽ हे । झरना केकरो से भीख न माँगे, नदी मोहताज होबऽ हे झरना के ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट-I, पत्र-VIII

(सिद्ध साहित्य आउ भक्ति साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. सरहपाद के जीवन-दर्शन पर एगो बड़हन लेख लिखऽ ।
2. 'दोहाकोश' के आलोचनात्मक परिचय दऽ ।
3. 'दोहाकोश' के काव्य-सौन्दर्य के वर्णन उदाहरण के साथ करऽ ।
4. चौरासी सिद्ध में कण्हपा के स्थान निरूपित कैल जाय ।
5. धरमदास के रहस्यवादी भावना के समीक्षा करऽ ।
6. रामसनेही दास के जीवन आउ काव्य के परिचय देल जाय ।
7. बदरीनाथ के काव्य के मर्म पर विस्तार से प्रकाश डालल जाय ।
8. भक्तिकालीन मगही लोक साहित्य में कउन सा भक्ति के प्रधानता रहल हे आउ ओकर का कारण है- स्पष्ट करऽ ।
9. कमलेश जी के काव्य में भक्ति के स्वरूप निर्धारित करऽ ।
10. नीचे लिखल दोहा के साहित्य सौन्दर्य के साथ व्याख्या कैल जायः-

    (क) अप्पा परिहण मेलविउ, गमणागमण ण भाग्ग ।
    तुस कुट्टंते काल गउ, चाउल हत्थ ण लाग्ग ।।

    (ख) जहि म्मह मरई, पवणहो तहि खअ जाइ ।
    एहु सो परम महासुह, सरह कहिहउ जाइ ।।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट–II, पत्र–IX

(मगही के निबन्ध साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. 'ओनाम सिंघ' निबन्ध में व्यक्त लेखकीय विचार के समीक्षा करऽ ।
2. ललित निबन्ध शिल्प के दृष्टि से 'कलम' निबन्ध के परीक्षण करऽ ।
3. 'मंजर' निबन्ध के सारांश लिखऽ ।
4. 'मगही काव्य में नारी' के आधार पर लेखिका के नारी सम्बन्धी दृष्टिकोण की समीक्षा करू ।
5. मगही के विकासात्मक दृष्टि से मगही के प्राचीन स्वरूप के वर्णन करू ।
6. श्री रासबिहारी पाण्डेय के परिचय दऽ ।
7. 'मगह के सांस्कृतिक गरिमा' निबन्ध के आधार पर मगह के प्राचीन आउ वर्तमान सांस्कृतिक आउ धार्मिक गरिमा के विवेचना करू ।
8. 'हिन्दी के विकास में मगही के योगदान' निबन्ध के सारांश लिखऽ ।
9. का संवाद सचमुच एकांकी के प्राण हे ? अगर हाँ, तो मगही एकांकी के संदर्भ में ओकर महत्ता आउ विशेषता बतलावऽ ।
10. क्षणिका के प्रमुख तत्त्व के परिचय देवइत ओकर विशेषता बतलावऽ आउ मगही क्षणिका में ओकर उदाहरण प्रस्तुत करऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ

Examination Programme, 2014

M.A. Magahi, Part–II

Date	*Paper*	*Time*	*Examination Centre*
13.08.2014	Paper–IX	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
19.08.2014	Paper–X	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
21.08.2014	Paper–XI	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
23.08.2014	Paper–XII	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
25.08.2014	Paper–XIII	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
27.08.2014	Paper–XIV	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
29.08.2014	Paper–XV	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna
02.09.2014	Paper–XVI	3.30 PM to 6.30 PM	D.A.V. Public School, Punaichak, Patna

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट–II, पत्र–X

(मगही गद्य के अन्य विधा)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. जीवनी के तत्त्व पर प्रकाश डालऽ।
2. रेखाचित्र के तत्त्व दृष्टि से "जीवक" रेखाचित्र के समीक्षा करऽ।
3. "अस्तित्व के कगार से" रिपोतार्ज के सारांश लिखऽ।
4. "डायरी के अड़ियाल पन्ना" लेखक परिचय के साथ–साथ डायरी विधा पर प्रकाश डालऽ।
5. एकांकी कला आउ रंगमंच के दृष्टि से "उकटा पुराण" के समीक्षा करऽ।
6. "चिमोकन" एकांकी में चरित्र–चित्रण आउ संवाद योजना के विशेषता बतलावऽ।
7. संस्मरण कला के दृष्टि से श्री तारकेश्वर भारती के लिखल "भिक्षु जगदीश काश्यप" के समीक्षा करऽ।
8. मगही शब्द चित्र के इतिहास पर प्रकाश डालऽ।
9. "ओस्ताद जी के मन में किदोरी न हल ।" लेखक के ई कथन पर ओस्ताद जी के चरित्र केतना सही उत्तरऽ हे । स्पष्ट करल जाये ।
10. सप्रसंग व्याख्या करल जाये :–
    (क) धोती के नीचे एक शब्द लिखल लिखल गेल– "प्रेम" आउ बिस्टी के नीचे लिखल गेल–"कर्म" ।
    (ख) आत्मा के जब सरत्र, अगिन, जल आदि भी प्रभावित नञ कर सकऽ हे तब सुगन्ध केतना असर कर पावत, सोचऽ ही ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट–II, पत्र–XI

(मगही साहित्य के इतिहास के आधुनिक स्वरूप)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. 'सा मागधी मूल भासा' काहे कहन गेल ? मगही बने तक मागधी के विस्तार–कथा लिखऽ ।
2. प्राचीन आउ आधुनिक मगही साहित्य में कविता के रचना पद्धति के चर्चा करऽ ।
3. टिप्पणी करित मगही में बानगी दऽ :–
   शृंगार रस, करुण रस, प्रकृति चित्र, राष्ट्रीयता
4. मगही में नाटक के पुराना स्वरूप का हल ? एकर उत्पत्ति आउ विकास के चरचा करऽ ।
5. मगही लघुकथा के विकास कइसे भेल ? मगही लघुकथा आउ लघु–कथाकार के साहित्यिक योगदान के चर्चा करऽ ।
6. मगही निबन्ध के प्रचार–प्रसार में सहयोगी तंत्र के बारे में लिखऽ ।
7. मगही साहित्य सम्बन्धी कोई चार आलोचना पर टिप्पणी लिखऽ ।
8. मगही के विकास ला सरकारी रवैया के चर्चा करऽ ।
9. मगही में लिपि के इतिहास बतावऽ । मगही लेखन में एकरूपता न हे–काहे ?
10. लोकगीत आउ लोकजीवन के सम्बन्ध बतावऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट–II, पत्र–XII

(मगही भाषा के उद्‌भव आउ विकास)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. प्राचीन भारतीय आर्यभाषा में वैदिक संस्कृत (छांदस) के बारे में अपन विचार लिखऽ।
2. मागधी–प्राकृत–विकास के समय, स्थान आउ ओकर साहित्य के बारे में विस्तार से बतावऽ।
3. अप्रभंश साहित्य के कला–सौन्दर्य पर विचार करइत ई विचार करऽ कि परवर्ती साहित्य पर एकर का प्रभाव पड़ल हे?
4. बिहारी भाषा के परिचय देइत मगही पर विस्तार से विचार करऽ ।
5. अपभ्रंश के आन्तरिक समता पर सोदाहरण विचार प्रस्तुत करऽ ।
6. मगही के विभिन्न स्थानीय स्वरूप के सोदाहरण विवेचना करऽ ।
7. मगही भाषा के विकास ला भेल आन्दोलन सब पर एगो बड़हन निबंध लिखऽ ।
8. मगही मंडल, पटना आउ मगही अकादमी, गया के तुलनात्मक अध्ययन करऽ ।
9. भाषा में मगही के स्थान निरूपित करइत एकर सीमा–क्षेत्र विस्तार पर प्रकाश डालऽ ।
10. टिप्पणी लिखऽ :–
    (क) बोली, विभाषा आउ भाषा
    (ख) मगही के उपेक्षा

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट–II, पत्र–XIII

(भाषा विज्ञान)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. भाषा के उत्पत्ति के सम्बन्ध में प्रत्यक्ष–मार्ग के सभे सिद्धांत के समीक्षा करऽ।
2. भाषा सर्वे के आधार पर प्रत्येक आधुनिक भाषा के क्षेत्र बतावल जाये ।
3. भाषा के विशेषता आउ प्रवृति पर प्रकाश डालऽ।
4. ध्वनि परिवर्तन के कारण अपन शब्दन में लिखऽ।
5. सम्बन्ध तत्त्व के विचार से रूपिम के भेद पर विचार व्यक्त करऽ।
6. भाषा अध्ययन के भिन्न पद्धति पर प्रकाश डालऽ।
7. अर्थ बोधक के साधन कउन–कउन हे? वर्णन करऽ।
8. अर्थ परिवर्तन के कारण अपन भाषा में लिखऽ।
9. वाक्य–गठन में परिर्वतन के कारण पर प्रकाश डालऽ।
10. भारतीय भाषा–वैज्ञानिक के देन पर अपन विचार व्यक्त करऽ।

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट–II, पत्र–XIV

(काव्य शास्त्र)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. प्राच्य आऊ पाश्चात्य विद्वानन् के काव्य लक्षण के समीक्षा करित अपन मत व्यक्त करऽ ।
2. काव्य के 'स्वान्तः सुखाय' प्रयोजन से कहाँ तक सहमत हऽ, स्पष्ट करऽ ।
3. व्यंजना शब्द–शक्ति के भेदोपभेद के निरूपण करऽ ।
4. भारतीय काव्य शास्त्र के ऐतिहासिक विकास में सहायक प्रमुख आचार्यगण के परिचय दऽ ।
5. रस निष्पत्ति पर प्रकाश डालऽ ।
6. साधारणीकरण के सम्बन्ध में विभिन्न मत के उल्लेख करऽ ।
7. रीति के स्वरूप पर प्रकाश डालऽ ।
8. काव्य के शब्दगत आऊ रसगत गुण के परिचय दऽ ।
9. आई० ए० रिचर्डस के साहित्य–सिद्धान्त के उल्लेख अपन भाषा में करऽ ।
10. निम्नलिखित छन्द के सोदाहरण परिचय दऽ :–
    दोहा, चौपाई, कवित्त, सवैया

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट–II, पत्र–XV

(समालोचना)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. आलोचना शब्द के व्युत्पत्ति बतावइत ओकर उद्देश्य पर प्रकाश डालऽ ।
2. आलोचना केतना प्रकार से करे के परम्परा हे? अप्पन पसंद के परम्परा के बारे में संक्षेप में लिखऽ ।
3. पोप के अनुसार आलोचक के बीस गो गुण कउन–कउन होवऽ हे?
4. मगही आलोचना के विकास पर प्रकाश डालऽ ।
5. शास्त्रीय समीक्षा–पद्धति पर एगो विस्तृत निबन्ध लिखऽ ।
6. मगही साहित्य में रहस्यवाद पर एगो बड़हन लेख लिखऽ ।
7. आदर्शवादी काव्य के रूप में सौगात काव्य संकलन पर प्रकाश डालऽ ।
8. यथार्थवादी साहित्य के प्रवृत्ति पर विचार करऽ ।
9. प्रो0 रामबुझावन सिंह के सामाजिक, सांस्कृतिक आउ राजनैतिक भूमिका का हेऽ।
10. टिप्पणी लिखऽ
    (क) डॉ0 राम प्रसाद सिंह के मौलिक ग्रंथ
    (ख) डॉ0 सत्येन्द्र कुमार सिंह के ग्रंथ

ꕥ ꕥ ꕥ

नालन्दा खुला विश्वविद्यालय

एम०ए० (मगही)

पार्ट–II, पत्र–XVI

(लोक साहित्य)

वार्षिक परीक्षा, 2014

समय : 3 घंटा **पूर्णांक : 80**

कउनो पाँच प्रश्न के उत्तर दऽ । सब प्रश्न के अंक समान हे ।

1. संस्कार गीत के सामान्य परिचय दऽ ।
2. सोहर गीत के उदाहरण सहित परिचय दऽ ।
3. कृष्ण के जीवन पर बनल पूर्वी गीत के विशेषता आउर सुन्दरता बतलावऽ ।
4. जन समाज में चैता के लोकप्रियता पर प्रकाश डालऽ ।
5. कजरी गीत के परिभाषा उदाहरण के साथ बतलावऽ ।
6. कजरी में हास–परिहास के रूप उदाहरण के साथ बतलावऽ ।
7. राम के जीवन पर गावल बारहमासा के विशेषता बतलावऽ ।
8. नीति कथा के परिचय देइत कउनो दो नीति कथा के उद्देश्य पर प्रकाश डालऽ ।
9. अर्थकथा में सबसे सुन्दर अर्थकथा तोहर नजर में कउन आउर कइसे हे ?
10. 'फूलकुमारी' (बेलमंती रानी के रूपान्तर) के कथा सौन्दर्य पर प्रकाश डालऽ ।

ꕥ ꕥ ꕥ